



कृषि विज्ञान केंद्र पोर्टल से कृषक सशक्तिकरण

नसीब चौधरी***, राजर्षि रॉय बर्मन*, ऊधम सिंह गौतम*, सुजीत कुमार झा*,
अलका अरोड़ा**, सुदीप मारवाहा** और सौमेन पाल**

॥ ऐसे युग में जहां प्रौद्योगिकी, पारंपरिक प्रथाओं को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, भाकृअनुप द्वारा विकसित कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) पोर्टल नवाचार के एक प्रतीक के रूप में खड़ा है। यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, वेबसाइट <https://kvk.icar.gov.in/> पर उपलब्ध है। इसे किसानों को कृषि उत्पादकता बढ़ाने और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ढेर सारे संसाधन और सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। कृषि विज्ञान केंद्र, किसानों के लिए ज्ञान और संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करते हैं। भाकृअनुप के तत्वावधान में, ये केंद्र उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों का प्रसार करने, व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने और खेत पर प्रदर्शन आयोजित करने में सहायक हैं। यह लेख भारतीय कृषि के क्षेत्र में कृषि विज्ञान केंद्रों के महत्व, कार्यों और प्रभावों पर प्रकाश डालता है। ॥

राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली (एनएआरएस) के अभिन्न घटकों के रूप में, केवीके स्थान-विशिष्ट कृषि प्रौद्योगिकियों के मूल्यांकन, शोधन और प्रसार पर केंद्रित गतिशील ज्ञान और संसाधन केंद्रों के रूप में कार्य करते हैं। भाकृअनुप द्वारा विकसित कृषि विज्ञान केंद्र पोर्टल नवाचार के प्रतीक के रूप में सामने आया है।

कृषि विज्ञान केंद्र नॉलेज नेटवर्क पोर्टल <http://kvk.icar.gov.in/> केवीके की बुनियादी जानकारी और सुविधाएं, जिला कृषि

*कृषि विस्तार प्रभाग, भाकृअनुप-मुख्यालय, नई दिल्ली; **कंप्यूटर अनुप्रयोग प्रभाग, भाकृअनुप-आईएएसआरआई, नई दिल्ली; **कृषि अर्थशास्त्र विभाग, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार (हरियाणा)

आकस्मिक योजना, केवीके द्वारा आयोजित आगामी, प्रगति और पिछले कार्यक्रम, फसल से संबंधित प्रथाओं का पैकेज प्रदान करता है। बागवानी और अन्य उद्यम, कृषक समुदाय के लिए कृषि मौसम संबंधी सलाह तथा कृषि उत्पादों की बाजार की कीमतों तक पहुंच, पोर्टल केवीके को इन सभी प्रकार की सूचनाओं को अद्यतन और अपलोड करने की सुविधा प्रदान करता है, ताकि संबंधित जानकारी और ज्ञान, समय पर कृषक समुदाय तक पहुंच सके। एंड्रॉइड मोबाइल उपयोगकर्ता किसानों के लिए एक केवीके मोबाइल ऐप भी विकसित किया गया है और यह गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। किसानों को जानकारी प्राप्त करने के लिए सर्वप्रथम ऐप में अपना पंजीकरण करना होगा और संबंधित केवीके का चयन करना होगा। किसान समाधान के लिए कृषि

संबंधी कोई भी प्रश्न केवीके के विशेषज्ञों से पूछ सकते हैं।

केवीके पोर्टल की मुख्य विशेषताएं

ज्ञान भंडार

- यह पोर्टल कृषि ज्ञान के विशाल भंडार के लिए एक केंद्रीकृत केंद्र के रूप में कार्य करता है। किसान फसल की खेती, कीट प्रबंधन, मृदा के स्वास्थ्य और अन्य से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
- किसानों को सूचित निर्णय लेने में सहायता के लिए विशेषज्ञ-लिखित लेख, शोध पत्र और सर्वोत्तम प्रथाएं आसानी से उपलब्ध हैं।

प्रौद्योगिकी प्रसार

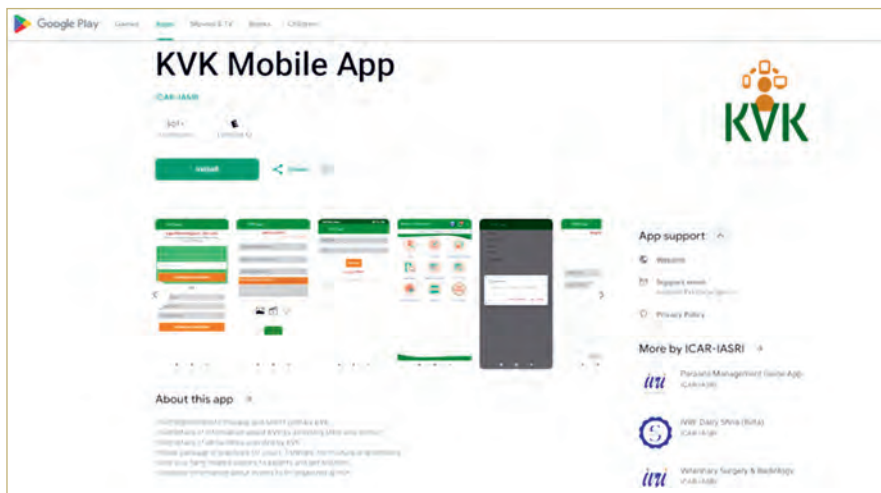
- केवीके पोर्टल किसानों और अत्याधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों के बीच एक पुल

केवीके के कार्य

कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) कृषि उत्पादकता बढ़ाने, टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने, नवीनतम ज्ञान और प्रौद्योगिकियों के साथ किसानों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से गतिविधियों की एक विस्तृत शृंखला में संलग्न है। केवीके की विशिष्ट गतिविधियां निम्नलिखित हैं: खेत पर प्रदर्शन, प्रशिक्षण कार्यक्रम, अग्रपंक्ति विस्तार सेवाएं, बीज उत्पादन और वितरण, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, पशुधन और मत्स्य पालन विकास, कृषि-प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन, एक्सपोजर विजिट, किसान मेले, अनुसंधान एवं नवाचार, महिला सशक्तिकरण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, इत्यादि। ये गतिविधियां सामूहिक रूप से केवीके के समग्र लक्ष्य में योगदान करती हैं, जैसे किसानों की आजीविका में सुधार करना, कृषि स्थिरता को बढ़ाना तथा संबंधित क्षेत्रों में आधुनिक और कुशल कृषि पद्धतियों को अपनाने की सुविधा प्रदान करना आदि।

के रूप में कार्य करता है। यह कृषि तकनीकों, फसल किस्मों और मशीनरी में नवीनतम प्रगति के बारे में जानकारी प्रसारित करता है।

- किसान आधुनिक कृषि पद्धतियों से अवगत रह सकते हैं। ऐसी तकनीकों अपना सकते हैं, जो उपज में उल्लेखनीय सुधार कर सकती हैं और आदान लागत को कम कर सकती हैं।



केवीके नॉलेज नेटवर्क पोर्टल

बाजार की जानकारी

- किसानों के लिए अपनी उपज बेचने के बारे में सूचित निर्णय लेने के लिए वास्तविक समय की बाजार जानकारी महत्वपूर्ण है। यह पोर्टल कृषि फसल की कीमतों, बाजार की जानकारी प्रदान करता है।
- यह सुविधा किसानों को बेहतर कीमतों पर बातचीत करने और बाजार की मांग के आधार पर अपनी फसल उत्पादन की रणनीति बनाने में सशक्त बनाती है।

मौसम संबंधी जानकारी और सलाह

- कृषि में मौसम महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पोर्टल समय पर मौसम संबंधी नवीनतम जानकारी और पूर्वानुमान प्रदान करता है। इससे किसानों को अपनी गतिविधियों को

अधिक प्रभावी ढंग से करने व योजना बनाने में मदद मिलती है।

- प्रतिकूल मौसम स्थितियों के प्रभाव को कम करने के लिए मौसम के अनुसार, फसल चयन और कृषि कार्यों के समय से संबंधित सलाहकार सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

घटनाओं की जानकारी

- केवीके पोर्टल विविध कृषि आयोजनों की जानकारी प्रदान करता है। इसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम, सेमिनार, प्रदर्शनियां, क्षेत्र दिवस, जागरूकता अभियान, इंटरैक्टिव सत्र, खेत दौरे और प्रतियोगिताएं शामिल हैं।
- इन आयोजनों का उद्देश्य किसानों को ज्ञान के साथ सशक्त बनाना, नवाचारों का प्रदर्शन करना और सहयोग को बढ़ावा देकर भारत में कृषि के सतत विकास में योगदान देना है।

संवादात्मक मंच

- पोर्टल मंचों और चर्चा बोर्डों के माध्यम से किसानों, वैज्ञानिकों तथा कृषि विशेषज्ञों के बीच बातचीत तथा ज्ञान के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है।
- किसान सलाह ले सकते हैं, अनुभव साझा कर सकते हैं और साथियों के साथ सहयोग कर सकते हैं। समुदाय तथा सामूहिक प्रशिक्षण की भावना को बढ़ावा दे सकते हैं।

अटारी (भाकृअनुप)

अटारी का मतलब कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान है। यह भाकृअनुप

	राज्य और जिला चयन करके केवीके के बारे में जानकारी प्राप्त करें		केवीके में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करें
	मौसम से संबंधित कृषि विज्ञान सलाह को अंग्रेजी अथवा स्थानीय भाषा में डाउनलोड करें		फसल, मछली पालन, बागवानी और पशुपालन के लिए कार्य-प्रणाली पता करें
	eNAM पोर्टल से कृषि उत्पादों के बाजार मूल्य पता करें		केवीके द्वारा आयोजित किये गये कार्यक्रमों जैसे किसान मेला, कृषि प्रदर्शनी इत्यादि का विवरण प्राप्त करें
	केवीके वेब पोर्टल देखें		केवीके में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की अग्रिम जानकारी प्राप्त करें
	विशेषज्ञों को अपने खेत से संबंधित सवाल भेजें और उनका समाधान प्राप्त करें		प्राथमिक कृषि विज्ञान केन्द्र बदलें

पोर्टल के अंतर्गत विभिन्न कृषि संबंधित विषयों की जानकारीयां

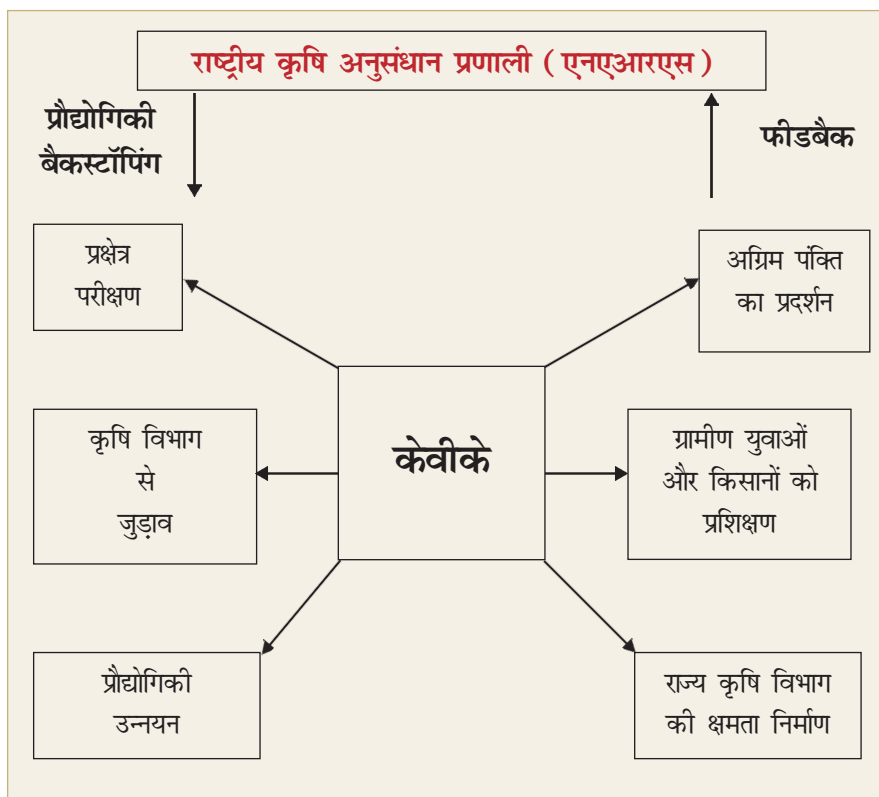
का एक महत्वपूर्ण घटक है। अटारी विभिन्न कृषि-पारिस्थितिक क्षेत्रों में भाकृअनुप के तहत विभिन्न अनुसंधान संस्थानों द्वारा विकसित कृषि प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग के समन्वय और सुविधा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह सुनिश्चित करता कि अत्याधुनिक कृषि अनुसंधान देश के विभिन्न क्षेत्रों के किसानों के लिए वास्तविक लाभ में बदल सके। अपने बहुमुखी कार्यों के माध्यम से अटारी नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा देने तथा कृषक समुदायों की आजीविका में सुधार करके कृषि के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली (एनएआरएस) के अभिन्न अंग

कृषि विज्ञान केंद्र वास्तव में भारत में एनएआरएस का एक अभिन्न अंग है। एनएआरएस में विभिन्न कृषि अनुसंधान संस्थान और संगठन शामिल हैं, जो कृषि क्षेत्र के सामने आने वाली विविध चुनौतियों का समाधान करने के लिए सहयोगात्मक रूप से काम कर रहे हैं। केवीके एनएआरएस की व्यावहारिक शाखा के रूप में कार्य करते हैं। यह सुनिश्चित करते हुए कि कृषि अनुसंधान के परिणामों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से संप्रेषित, प्रदर्शित और कार्यान्वित किया जा सके।

केवीके प्रणाली: अधिदेश और गतिविधियां

केवीके का अधिदेश इसके अनुप्रयोग और क्षमता विकास के लिए प्रौद्योगिकी मूल्यांकन और प्रदर्शन है।



एनएआरएस की कार्य प्रणाली

अधिदेश को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए, प्रत्येक केवीके के लिए निम्नलिखित गतिविधियों की परिकल्पना की गई है:

- विभिन्न कृषि प्रणालियों के अंतर्गत कृषि प्रौद्योगिकियों की स्थान विशिष्टता का आकलन करने के लिए खेत पर परीक्षण।
- किसानों के खेतों पर प्रौद्योगिकियों की उत्पादन क्षमता स्थापित करने के लिए अग्रपंक्ति प्रदर्शन।
- आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों पर अपने ज्ञान और कौशल को अद्यतन करने के लिए किसानों और विस्तार कर्मियों की क्षमता का विकास।
- जिले की कृषि अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए सार्वजनिक, निजी और स्वैच्छिक क्षेत्र की पहल का समर्थन करना। कृषि प्रौद्योगिकियों के ज्ञान एवं संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करना।
- किसानों की रुचि के विभिन्न विषयों पर आईसीटी और अन्य मीडिया माध्यमों का उपयोग करके कृषि संबंधी सलाह प्रदान करना।

इसके अलावा, केवीके गुणवत्तापूर्ण तकनीकी उत्पादों (बीज, रोपण सामग्री, जैव-एजेंट, पशुधन) का उत्पादन करते हैं और इसे किसानों को उपलब्ध करवाते हैं। अग्रपंक्ति विस्तार गतिविधियों का आयोजन करते हैं और चयनित कृषि नवाचारों की पहचान करते हैं। उनका दस्तावेजीकरण करते हैं और केवीके के जनादेश के भीतर चल रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों के साथ जुड़ते हैं।

लाभ

उत्पादकता में वृद्धि

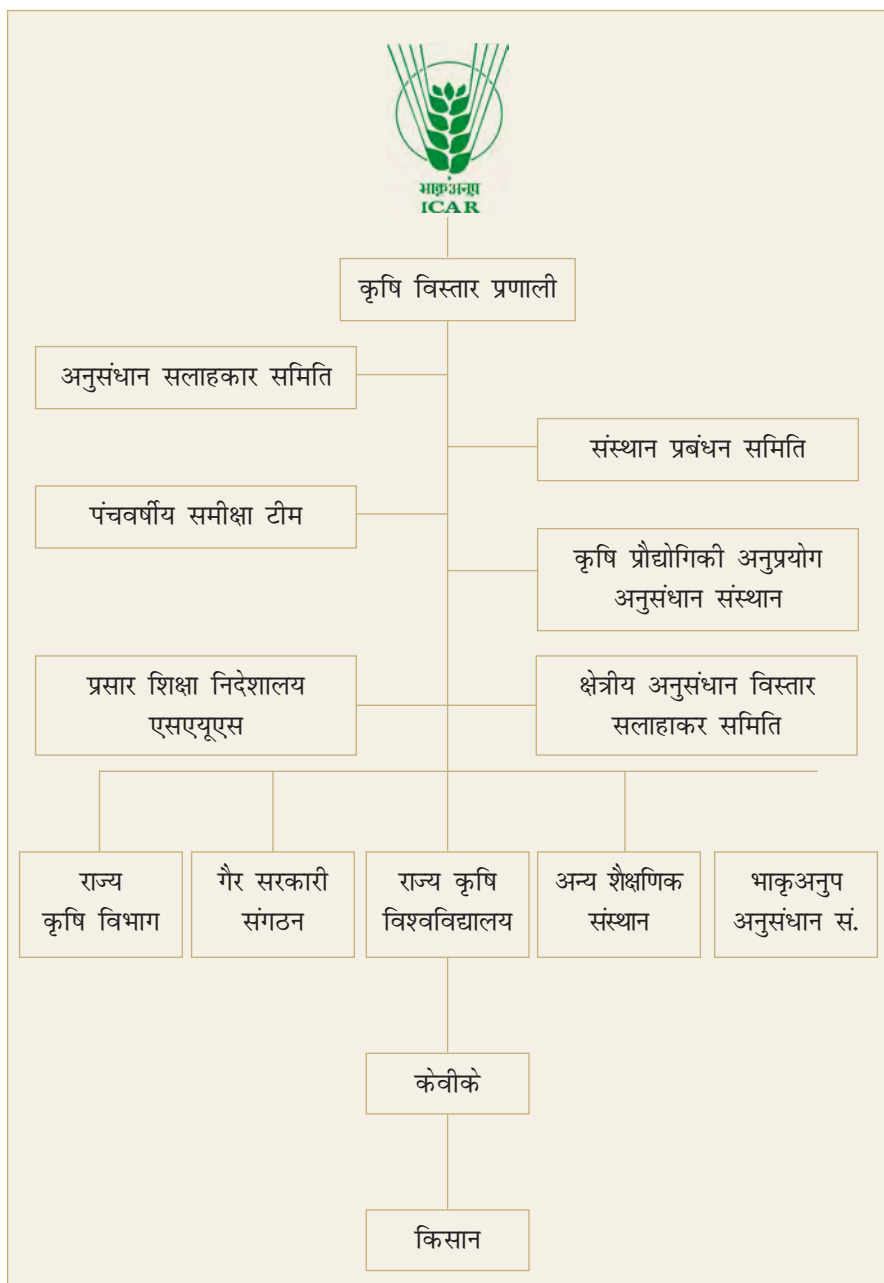
- कृषि ज्ञान और प्रौद्योगिकी के भंडार तक पहुंच किसानों को सर्वोत्तम प्रथाओं

कृषि विज्ञान केन्द्र का बढ़ता दायरा

भाकृअनुप द्वारा स्थापित, कृषि विज्ञान केंद्र जिला-स्तरीय केंद्र हैं, जो वैज्ञानिक अनुसंधान और ऑन-फील्ड कृषि प्रथाओं के बीच अंतर को पाटने के प्राथमिक उद्देश्य से बनाए गए हैं। पहला केवीके वर्ष 1974 में पुडुचेरी में स्थापित किया गया था। तब से, पूरे देश में इनकी संख्या में काफी वृद्धि हुई है। केवीके योजना शत-प्रतिशत सरकार द्वारा वित्त पोषित है। भारत सरकार और केवीके को कृषि विश्वविद्यालयों, भाकृअनुप संस्थानों, संबंधित सरकारी विभागों और कृषि में काम करने वाले गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) को मंजूरी दी गई है।

विभिन्न संस्थानों के अंतर्गत कार्यरत केवीके का वितरण नीचे दिया गया है:

कृषि विश्वविद्यालय	509
भाकृअनुप संस्थान	66
गैर सरकारी संगठनों	101
राज्य सरकारें	38
अन्य शैक्षणिक संस्थान	17



भाकृअनुप का समूचा कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा तंत्र

को अपनाने के लिए सशक्त बनाती है। इससे उत्पादकता और उपज में वृद्धि होती है।

लागत में कमी

- नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकियों और बाजार के रुझानों के बारे में सूचित रहकर, किसान आदान लागत को अनुकूलित कर सकते हैं एवं समग्र लाभप्रदता में सुधार कर सकते हैं।

जोखिम न्यूनीकरण

- समय पर मौसम संबंधी नवीनतम जानकारीयां और सलाहकार सेवाएं किसानों को मौसम के उतार-चढ़ाव,

कीटों एवं रोगों से जुड़े जोखिमों का अनुमान लगाने तथा कम करने में मदद करते हैं।

बाजार पहुंच

- बाजार की जानकारी किसानों को फसल चयन और उत्पादन की मात्रा के बारे में रणनीतिक निर्णय लेने में सक्षम बनाते हैं। इससे बाजार तक बेहतर पहुंच और परस्पर सौदेबाजी की शक्ति सुनिश्चित होती है।

सामुदायिक इमारत

- पोर्टल पर संवादात्मक मंच किसानों के बीच समुदाय की भावना को बढ़ावा देते हैं। सहयोग, ज्ञान साझा करने

और सामूहिक समस्या-समाधान को प्रोत्साहित करते हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र, अनुसंधान और क्षेत्र-स्तरीय कार्यान्वयन के बीच एक पुल के रूप में कार्य करके भारतीय कृषि को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अपनी बहुमुखी गतिविधियों के माध्यम से, केवीके कृषि के सतत विकास में योगदान देते हैं, किसानों को सशक्त बनाते हैं। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। जैसे-जैसे भारत अपनी कृषि यात्रा पर आगे बढ़ रहा है। इस यात्रा में एक लचीले और प्रगतिशील कृषि क्षेत्र को आकार देने में कृषि विज्ञान केंद्रों की भूमिका अपरिहार्य बनी हुई है। केवीके (भाकृअनुप) पोर्टल किसानों के हाथों में एक परिवर्तनकारी उपकरण के रूप में उभरता है, जो पारंपरिक कृषि प्रथाओं और आधुनिक, प्रौद्योगिकी-संचालित दृष्टिकोणों के बीच अंतर को पाटता है। ज्ञान, प्रौद्योगिकी और एक सहायक समुदाय तक पहुंच प्रदान करके पोर्टल किसानों को सशक्त बनाने और भारत में कृषि के सतत विकास में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

निवेदन

लेखक बंधु खेती पत्रिका के लिए अपने लेख और संबंधित फोटो, कवरिंग लैटर के साथ सिर्फ निम्न पोर्टल पर ही अपने मोबाइल नम्बर के साथ भेजें। ध्यान रखें कि फोटो जेपीजे फॉर्मेट में और उच्च रेजोल्यूशन की हों। लेख में अधिकतम 1200 शब्दों की संख्या रखने का प्रयास करें। इसके अतिरिक्त सुझाव और प्रतिक्रियाएं भी भेज सकते हैं। लेख भेजने के लिए कृपया कृतिदेव 010 टाइप फेस का प्रयोग करें।

हमारा पोर्टल है :

epatrika.icar.org.in

—संपादक